This question paper contains 2 printed pages. **Your Roll No. .....**

Sl. No. of Ques. Paper	**: 3177**	**F-5**
Unique Paper Code	**: 2301502**	
Name of Paper	**: Agrarian Sociology**	
Name of Course	**: B.A. (Hons.) Sociology**	
Semester	**: V**	
Duration	**: 3 hours**	
Maximum Marks	**: 75**	

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Attempt **one** question from Part A and Part B each and **two** questions from Part C.*
*भाग अ और ब में से **एक-एक** प्रश्न तथा भाग स में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

All questions carry equal marks.
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Part A (भाग अ)

1. Outline the main themes of sociology of agriculture.
   सामाजिक कृषिशास्त्र की संरचना करने वाली मुख्य विषयवस्तुओं को रेखांकित कीजिए।

2. Write an essay on the making of agrarian distress and its social consequences.
   कृषि-संबंधी संकट व उसके सामाजिक परिणामों पर एक निबंध लिखिए।

Part B (भाग ब)

3. Analyse how agriculture is structurally transformed with the coming of capitalism.
   पूँजीवाद के आगमन से कृषि का किस तरह से संरचनात्मक रूपांतरण हुआ है? विश्लेषण कीजिए।

4. What does the commodity systems approach add to the political and moral economy approaches?

   व्यवस्था (व्यापार की वस्तु) सिद्धांत राजनैतिक व नैतिक अर्थव्यवस्था सिद्धांतों में क्या योगदान करता है ?

Part C (भाग स)

5. What are the stakes involved in gendering of land questions? Discuss it with respect to land titles *versus* work based entitlements debate.

   भूमि के प्रश्न के जेंडरकृत होने में कौनसे अधिकार संलग्न हैं? भूमि की पदवी एवं कार्य आधारित अधिकारों के वाद-विवाद के संदर्भ में इस प्रश्न का विवेचन कीजिए।

6. What are the different types of peasant movements in India? Discuss with suitable examples.

   भारत में कृषि आंदोलन के विभिन्न प्रकार कौनसे हैं? उपयुक्त उदाहरण के साथ विवेचन कीजिए।

7. Discuss how sugarcane production and processing in pre-independence India affected the small farmers in rural Uttar Pradesh.

   स्वतंत्रतापूर्व भारत में गन्ने के उत्पादन व प्रक्रमण ने उत्तर प्रदेश के छोटे किसानों को किस तरह से प्रभावित किया है? विवेचन कीजिए।